दैनिक भास्कर
जींद भास्कर 23-08-2025

निःस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करने से दया की भावना बढ़ती है : प्रो. सिंह

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विभाग के चौथे दिन पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के प्रोफेसर डीपी सिंह ने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 'दूसरों की मदद के माध्यम से व्यक्तित्व विकास' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करना, चाहे वह छोटे स्तर पर हो या बड़े, हमारे भीतर सहानुभूति, दया, और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाता है। उन्होंने छात्रों को बताया कि जब हम किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करते हैं, तो हमें आत्म-संतुष्टि मिलती है, जो आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है।

प्रोफेसर राजेश बंसल ने विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली और नियमों से अवगत कराया। प्रो बंसल ने छात्रों को परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया, एडमिट कार्ड जारी होने की तिथि, विभिन्न पेपरों के मूल्यांकन की पद्धति और परिणामों की घोषणा से संबंधित सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को परीक्षा में सफल होने के लिए आवश्यक नियमों और विनियमों, जैसे कि न्यूनतम उपस्थिति मानदंड, अनुचित साधनों के प्रयोग पर रोक, और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया के बारे में भी समझाया। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ अनुपम भाटिया मौजूद रहे।

जींद. सीआरएसयू के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान में भाग लेते हुए।